ECONOMICS AND STATISTICS REVIEW UTTAR PRADESH
(Quarterly News Letter)

Volume-VIII April-June 2017 No.1

In This Issue:

- **Highlights of Activities**
- **Training/Seminar**
- **Personnel**
- **Current Statistics**
- **Photo Section**
- **Statistics/Reports/Publications on The Departmental Website**

EDITORIAL BOARD

PATRON
Principal Secretary,
Planning,
Govt. of UP

CHIEF EDITOR
Director,
DES,UP.

Members
Sri Arvind Kumar Pandey,Addl. Director
Dr. Divya Sarin Mehrotra, Joint Director
Sri Amlendu Rai ,Dy Director
Smt. Dumnesh Diksha Sahu, E.St. O.
Sri Arun Kumar Gupta, E.St. O.
Sri Ajay Kumar Srivastava, Addl. St. O.
Sri Rakesh Kumar, Addl. St. O.

सन्देश

प्रभाग स्तर पर सम्पादित हो रहे सांख्यिकीय कार्यों का एक समावेशित निरूपण करने हेतु प्रत्येक त्रैमास में ''न्यूजलेटर'' प्रकाशित किये जाने की श्रृंखला में त्रैमास अप्रैल–जून 2017 प्रस्तुत है।

आलोच्य अवधि में उत्तर–मध्य क्षेत्र के 09 राज्यों के लिए "Finalisation of State Programme under SSS Scheme" विषयक कार्यशाला प्रभाग द्वारा आयोजित हुई, जिसमें अपर महानिदेशक, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार एवं नौ राज्यों के निदेशक गण द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला के माध्यम से सम्बन्धित राज्यों में सांख्यिकीय कार्यों के सामयिक निष्पादन पर भी चर्चा हुई। गत वर्षों की भांति दिनांक 29 जून 2017 को ''सांख्यिकी दिवस'' का आयोजन प्रभाग मुख्यालय सहित प्रदेश के जनपदों/मण्डलों में भी किया गया।

न्यूज लेटर को समय से प्रकाशित किये जाने हेतु सम्पादक मण्डल एवं प्रभाग के अधिकारियों का योगदान सराहनीय है और प्रकाशन को सार्थक बनाये जाने हेतु आपके बहुमूल्य सुझावों का स्वागत है।

(गिरजा शंकर कटियार)
निदेशक, अर्थ एवं संख्या, उ.प्र.

✓ Highlights of Activities

1-Price and Wages Statistics

- **उत्तर प्रदेश के थोक भाव सूचकांक** (आधार वर्ष 2011–12=100) में त्रैमास जनवरी–मार्च 2017 का औसत सूचकांक 138.07 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2016 के औसत सूचकांक 139.22 की तुलना में 0.8 प्रतिशत कम रहा।

- **उत्तर प्रदेश के ग्रामीण उपभोक्ता भाव सूचकांक** (आधार वर्ष 2011–12=100) में त्रैमास जनवरी –मार्च 2017 का औसत सूचकांक 145.35 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2016 के औसत सूचकांक 149.28 की तुलना में 2.6 प्रतिशत कम रहा।

- **उत्तर प्रदेश के नगरीय उपभोक्ता भाव सूचकांक** (आधार वर्ष 2011.12त्र100) में त्रैमास जनवरी – मार्च 2017 का औसत सूचकांक 140.08 गत त्रैमास अक्टूबर – दिसम्बर 2016 के औसत सूचकांक 143.02 की तुलना में 2.1 प्रतिशत कम रहा।

- **उत्तर प्रदेश के नगरीय उपभोक्ता भाव सूचकांक** (आधार वर्ष 2011–12=100) में त्रैमास जनवरी–मार्च 2017 का औसत सूचकांक 140. 01 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2016 के औसत सूचकांक 143.02 की तुलना में 2.1 प्रतिशत कम रहा।

- **उत्तर प्रदेश के ग्रामीण मजदूरी दर सूचकांक** (आधार वर्ष 2011–12=100) में त्रैमास जनवरी– मार्च 2017 में बढ़ई, राज व कृषि श्रमिक का मजूदरी दर सूचकांक क्रमशः 164.16, 161.16 व 168.36 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2016 के मजूदरी दर सूचकांक क्रमशः 163.08, 159.22 व 166.92 की तुलना में क्रमशः 0.7, 1.2 व 0.9 प्रतिशत अधिक रहा।

- **उत्तर प्रदेश के नगरीय मजदूरी दर सूचकांक** (आधार वर्ष 2011–12=100) में त्रैमास जनवरी– मार्च 2017 में बढ़ई, राज व कृषि श्रमिक का मजूदरी दर सूचकांक क्रमशः 158.38, 157.99 व 167.45 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2016 के मजूदरी दर सूचकांक क्रमशः 156.45, 157.43 व 165.43 की तुलना में क्रमशः 1.2, 0.4 व 1.2 प्रतिशत अधिक रहा।

- **उत्तर प्रदेश का कृषीय क्रय–विक्रय समता सूचकॉक** वर्ष 2015–16 में उत्तर प्रदेश का कृषीय क्रय–विक्रय समता सूचकॉक (आधार कृषि वर्ष 2004–05=100) 112.85 (अनन्तिम) के स्तर पर रहा, जबकि गत वर्ष 2014–15 का सूचकॉक 107.70 रहा। इस प्रकार गत वर्ष 2014–15 की तुलना में वर्ष 2015–16 के सूचकॉक में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित हुई।

2–औद्योगिक सांख्यिकी–:

➢ **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक–**

The monthly Index of Industrial Production for the **month of Jan’2017(P)**,**Feb’2017(P) Mar’2017(P)** of financial year 2016-17 and **April’2017(Q)**of financial year 2017-18 are prepared at base year 2004-05 in this period. The monthwise sectorial Index , general Index and Use based categorywise Index from month January' 2017 to April' 2017 are given in the following tables:-

Monthwise Sectorial Index And General Index

Monthly	Mining	Electricity	Manufacturing	General Index
Jan’2017(P)	133.76	601.62	156.55	220.68
Feb’2017(P)	116.54	515.43	146.82	198.68
Mar’2017(P)	104.37	587.79	163.19	220.29
April’2017(Q)	104.37	598.87	142.63	206.73

The general Index of month Jan’2017 (P),April’2017(Q) is showing an increase 6.77% & 9.47% from corresponding month of the previous year i.e. Jan’2016(F) ,April’2016(F) and The general Index of month Feb’2017(P),Mar2017(P) is showing a decrease of 6.72% & 0.02% respectively from corresponding month of the previous year i.e. Feb’2016(F) and Mar’2016(F) .The general Index of month March’2017(P) increased by 10.88% as compared to the corresponding previous month i.e Feb’2017(P) and The general Index of month Jan’2017 (P), Feb’2017(P) & April’2017(Q) decreased by0.63%,9.97% and6.16% as compared to the corresponding previous month i.e Dec’2016(P), Jan’2017 (P), and March’2017(P).

Use based categorywise Index

Monthly	Basic Goods	Capital Goods	Intermediate Goods	Total Consumer Goods	Consumer Durable Goods	Consumer Non Durable Goods	General Index
Jan’2017(P)	260.66	74.64	144.93	212.15	134.42	232.32	220.68
Feb’2017(P)	229.40	89.23	121.75	198.68	125.53	217.65	198.68
Mar’2017(P)	253.68	135.21	132.00	217.40	152.45	234.25	220.29
April’2017(Q)	253.84	113.62	157.82	171.01	150.87	176.24	206.73

Monthly trend of IIP Sectorwise

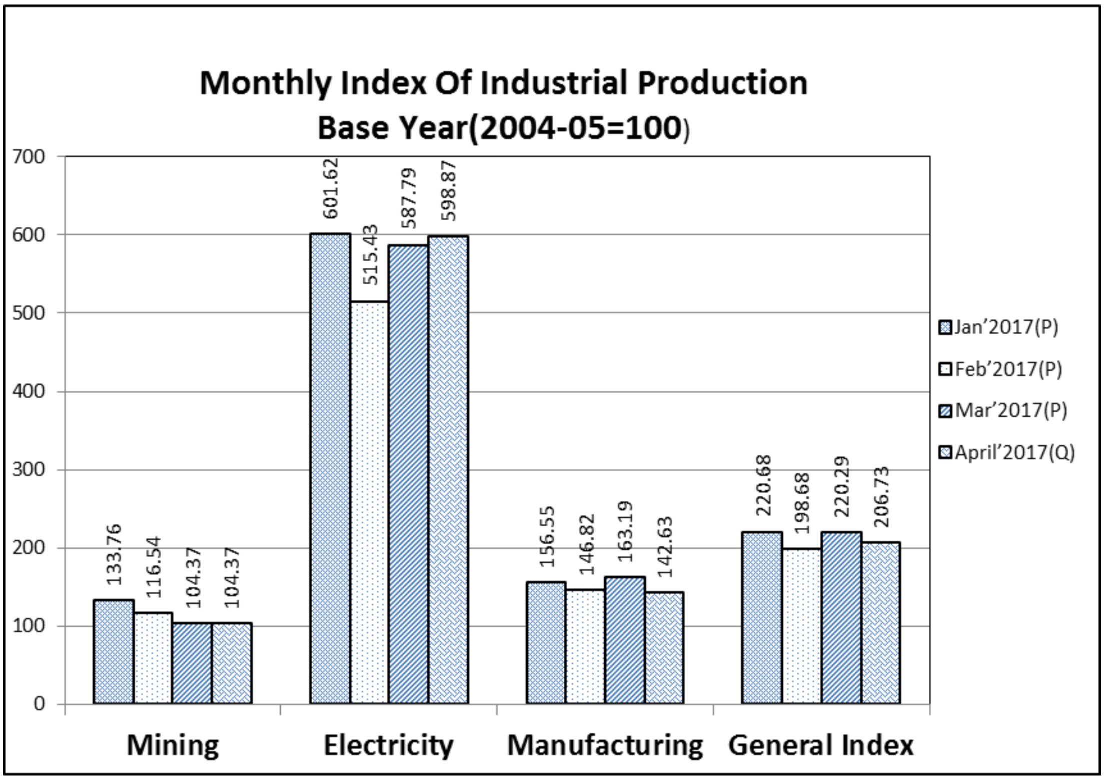

Monthly trend of IIP Use based categorywise

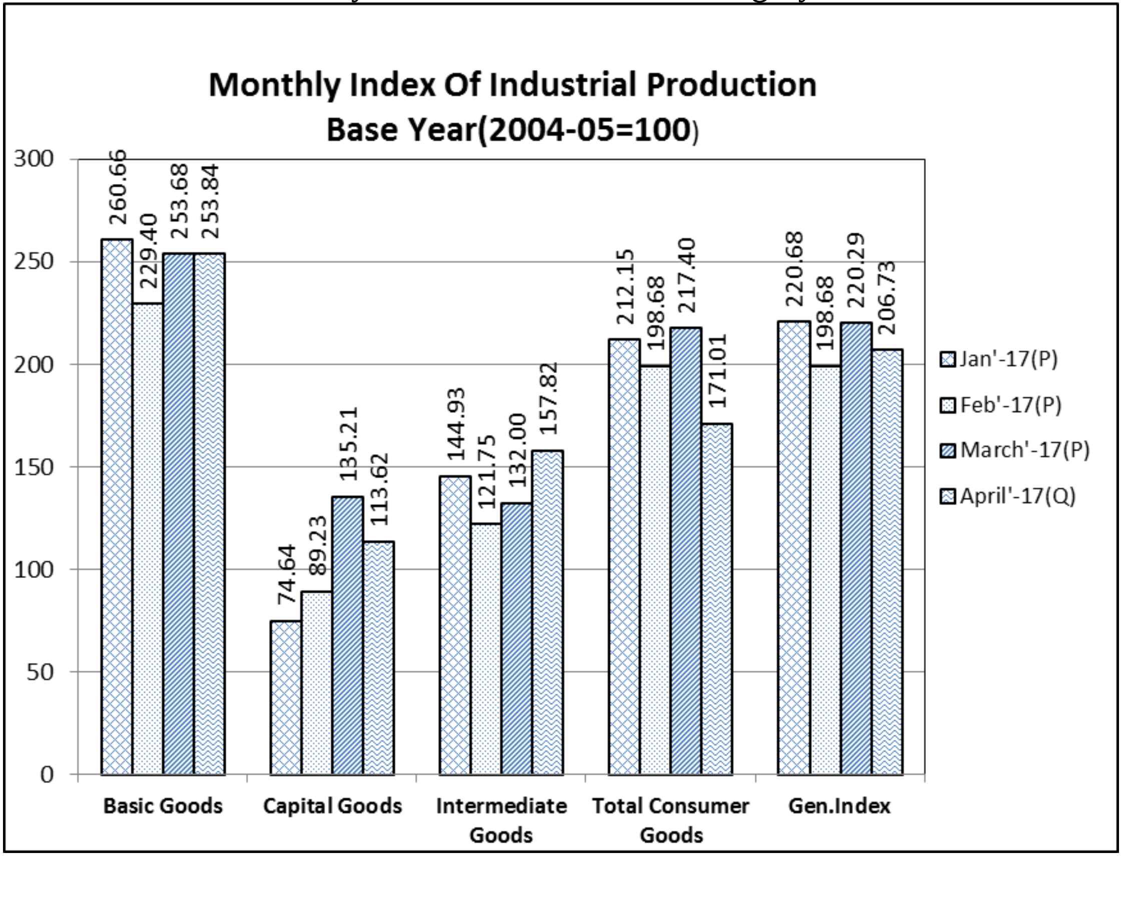

➢ **वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण–:**

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण वर्ष 2015–16 का सर्वेक्षण कार्य प्रारम्भ करते हुए आवंटित 3468 कारखानों के सापेक्ष आलोच्य अवधि में माह जून 2017 तक 2147 कारखानों का सर्वेक्षण एवं 808 कारखानों के ऑकड़ो का परिनिरीक्षण कार्य पूर्ण कराया गया।

प्रदेश में वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2012–13 का सर्वेक्षण कार्य माह जनवरी, 2014 से जुलाई, 2014 के मध्य सम्पन्न कराया गया।

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2012–13 की रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:–

➢ वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2012–13 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के प्रतिचयन ढाँचे में कुल 14538 कारखाने पंजीकृत रहे जिसमें 3917 कारखाने गणना के तथा 1292 केन्द्रीय प्रतिदर्श हेतु चयनित थे । 5209 कारखानों का सर्वेक्षण भारत सरकार द्वारा किया गया । राज्य के सर्वेक्षण हेतु 1292 कारखाने चयनित किये गये।

➢ प्रदेश के प्रतिचयन ढाँचे के अनुसार कुल 14538 पंजीकृत कारखानों में से पश्चिमी क्षेत्र में 10084 कारखाने, केन्द्रीय क्षेत्र में 2771 कारखाने, पूर्वी क्षेत्र में 1539 कारखाने तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 144 कारखाने पंजीकृत पाये गये।

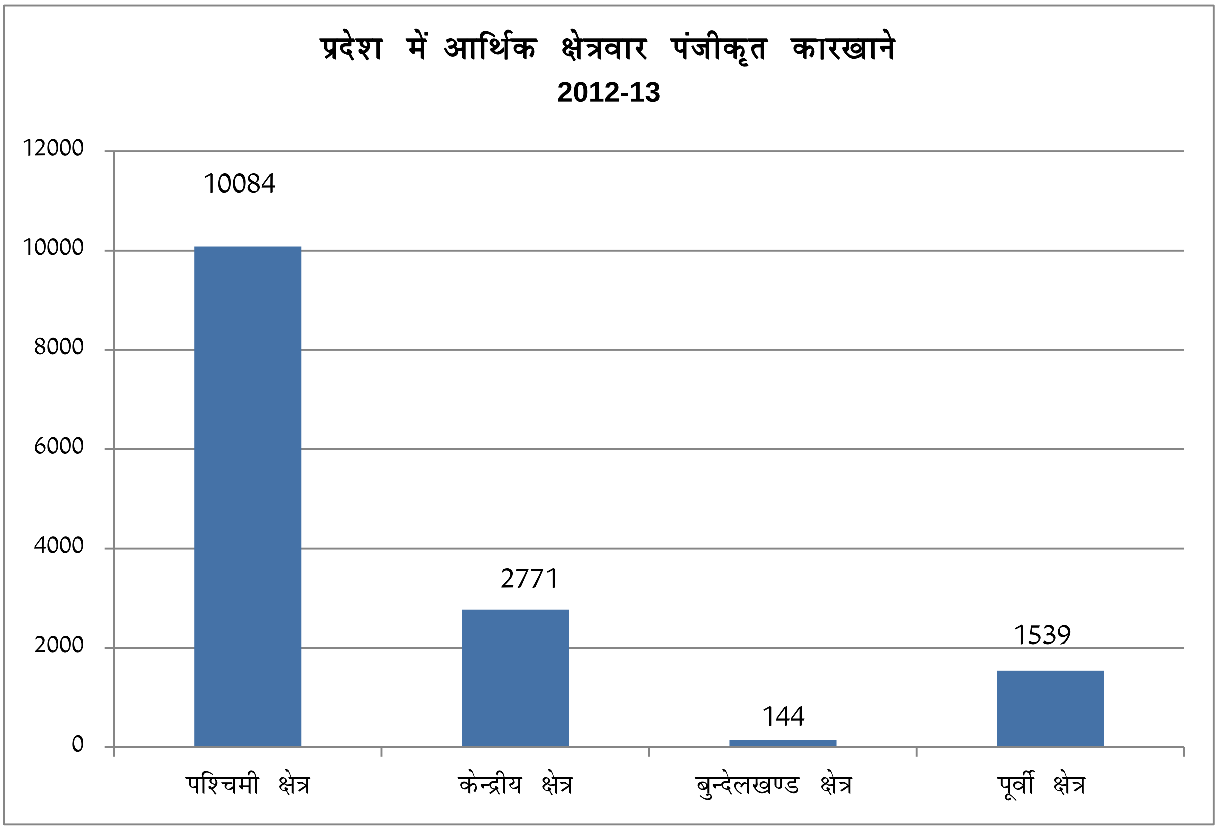

- NIC-2 अंकीय कोड के अनुसार सबसे अधिक 13.8 प्रतिशत अंश के साथ 2005 कारखाने खाद्य उत्पादों के विनिर्माण (NIC-10) में पंजीकृत पाये गये। अन्य अधात्विक एवं खनिज उत्पादों के विनिर्माण (NIC-23) एवं फैब्रिकेटेड धातु उत्पादों का विनिर्माण (मशीनरी तथा उपस्कर के अतिरिक्त) (NIC-25) में क्रमशः 1301(8.9 प्रतिशत) व 1210 (8.3 प्रतिशत) कारखानों का पंजीयन दूसरे व तीसरे स्थान पर रहा।
- आगत व निर्गत मूल्यों की दृष्टि से सर्वाधिक योगदान खाद्य उत्पाद के विनिर्माण (NIC-10) में क्रमशः 23.8 व 21.8 प्रतिशत रहा। शुद्ध आवर्धित मूल्य की दृष्टि से सर्वाधिक 11.6 प्रतिशत का योगदान मोटर वाहन व मोटर साइकिलों का थोक एवं फुटकर व्यापार एवं मरम्मत (NIC-45) में रहा।

- प्रदेश में वर्ष 2001–02 में प्रति कार्मिक परिलब्धियॉ 113.94 हजार रुपये थी जो गत वर्ष के सापेक्ष वर्ष 2002–03 से वर्ष 2004–05 में क्रमशः 0.70, 6.75 व 19. 77 प्रतिशत की कमी के साथ वर्ष 2004–05 में 84.65 हजार रुपये रही। वर्ष 2005–06 से वर्ष 2012–13 तक निरन्तर 6.38, 9.62, 6.97, 24.27, 3.23, 20.03 ,5.69 एवं 9.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्श 2012–13 में 187.96 हजार रुपये हो गयी।

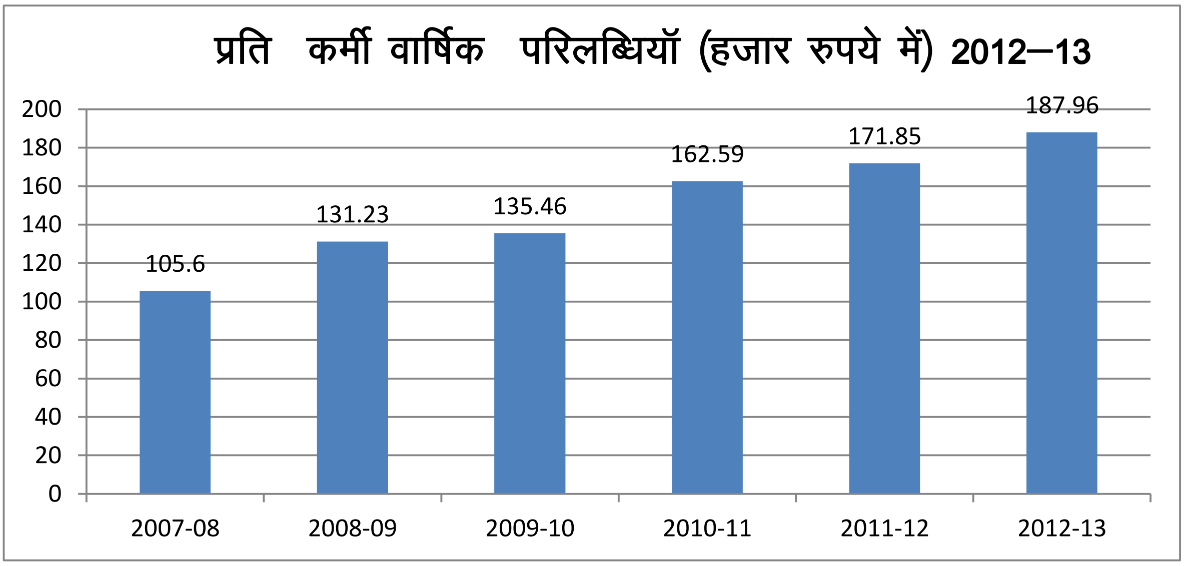

विभिन्न प्रकार के उपभुक्त ईंधनों में **क्रय की गई विद्युत** का भाग 82000279 हजार रूपये (45.28 प्रतिशत) के साथ प्रथम स्थान पर रहा। उपभुक्त ईंधन के विभिन्न संघटकों में **पेट्रोलियम उत्पाद** का स्थान द्वितीय रहा जिसमें 44602418 हजार रूपये (24.6 प्रतिशत) का उपभोग किया गया। बायो गैस व अन्य तरल **पेट्रोलियम गैस** का ईंधनों के रूप में उपभोग तीसरे स्थान पर रहा। जिसमें 21794315 हजार रूपये (12 प्रतिशत) का उपभोग किया गया। उद्योगों में ईंधन के उपभोग के अन्तर्गत **कोयले** पर 18186005 हजार रूपये (10 प्रतिशत) का व्यय किया गया। **अन्य ईंधन** जिसमें, नाभिकीय ईंधन व जलाने वाली लकड़ी आदि सम्मिलित है, का स्थान छठे क्रम पर रहा जिस पर कुल 14489781 हजार रूपये (8 प्रतिशत) का व्यय किया गया।

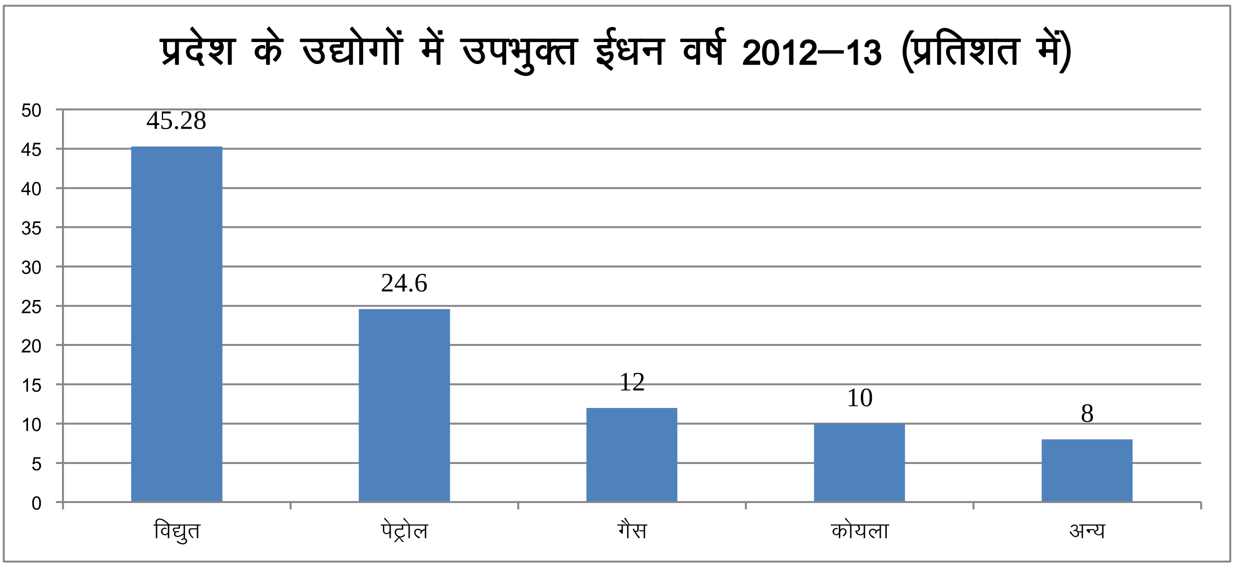

प्रमुख उद्योग वर्गानुसार विनियोजित पूॅंजी:– प्रदेश के पंजीकृत उद्योगों में विनियोजित पूॅंजी 1735558295 हजार रूपय अनुमानित हुई। औद्योगिक सर्वेक्षण के महत्वपूर्ण निष्कर्षों के संदर्भ में सर्वाधिक उत्तरदायी मदों में विनियोजित पूॅंजी व उपभुक्त सामग्री की आन्तरिक विवेचना से विदित होता है कि विनियोजित पूॅंजी मूल्यों की दृष्टि से सर्वाधिक योगदान खाद्य उत्पाद के विनिर्माण (NIC-10) में 25.0 प्रतिशत योगदान रहा। बिजली, गैस, एवं वातानुकूलिंग की आपूर्ति (NIC-35) में 12.2 प्रतिशत व रसायनों व रासायनिक उत्पादों के विनिर्माण (NIC-20) में 6.4 प्रतिशत तथा मूल धातुओं के विनिर्माण (NIC-24) में 6.4 प्रतिशत के योगदान के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे एवं चौथे स्थान पर रहे। पानी संग्रहण, उपचार एवं आपूर्ति (NIC-36) वेस्ट कलेक्शन, ट्रीटमेन्ट एण्ड डिस्पोजल क्रियाएं (NIC-38) , थोक व्यापार, मोटर वाहनों व मोटर साइकिलों के अतिरिक्त (NIC-46) , फुटकर व्यापार,मोटर वाहनों व मोटर साइकिलों के अतिरिक्त (NIC-47) प्रकाशन सम्बन्धी क्रियाएं (NIC-58), अन्य व्यवसायिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्रियायें (NIC-74), किराये एवं पट्टे सम्बन्धित क्रियाओ की सेवायें (NIC-77), कार्यालय प्रशासनिक व व्यवसायिक सपोर्ट क्रियाएं (NIC-82), कम्प्यूटर व व्यक्तिगत एवं हाउस होल्ड सामनों की मरम्मत (NIC-95), तथा अन्य व्यक्तिगत सेवा क्रियाएं (NIC-96), उद्योग वर्गो में विनियोजित पूॅंजी का मूल्य नगण्य रहा।

रिपोर्ट के निर्धारित महत्वपूर्ण मानक मदों का गत वर्ष 2012–13 के सापेक्ष तुलनात्मक विवरण

(मूल्य हजार रुपये में)

क्र0सं0	**मद**	**वा0उ0स0 2011–12** (मूल्य हजार रू0 में)	**वा0उ0स0 2012–13** (मूल्य हजार रू0 में)	**गत वर्ष के सापेक्ष वृद्वि/कमी का प्रतिशत**
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1	विनियोजित पूॅजी	1463186736	1735558295	18.6
2	उपभुक्त सामग्री	2417984536	2643816132	9.4
3	कुल आगत	2914006461	3253264825	9.3
4	कुल निर्गत	3513241513	3839136753	9.3
5	उत्पादन का मूल्य	2823186578	3076394267	9.0
6	सकल आवर्धित मूल्य GVA	599235053	585871928	–2.2
7	मूल्य ह्रास	72602547	82549643	13.7
8	शुद्व आवर्धित मूल्य NVA	526632506	503322285	–0.04

3–राज्य आय–:

उ0प्र0 के आय–व्ययक का आर्थिक एवं कार्य सम्बंधी वर्गीकरण

आलोच्य अवधि में उ0प्र0 सरकार के आय–व्ययक वर्ष 2016–17 के अनुसार ''उ0प्र0 के आय–व्ययक का आर्थिक एवं कार्य सम्बंधी वर्गीकरण वर्ष 2016–17'' का प्रकाशन किया गया जिसमें वर्ष 2014–15 के वास्तविक व्यय, वर्ष 2015–16 के पुनरीक्षित अनुमान तथा 2016–17 के आय–व्ययक अनुमान दर्शाये गये है। मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार रहे :–

वर्ष 2016–17 के आय–व्ययक में विभागीय वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के कार्य चालन व्ययों को छोड़कर राज्य सरकार का अनुमानित कुल व्यय 296869.90 करोड़ रूपये है जो वर्ष 2015–16 के पुनरीक्षित अनुमानों से 13230.92 करोड़ रूपये तथा वर्ष 2014–15 में वास्तविक व्यय से 88806.09 करोड़ रूपये अधिक है। अनुमानित कुल व्यय में से 133776.50 करोड़ रूपये अर्थात् 45.1 प्रतिशत सरकार का अन्तिम परिव्यय है। कुल व्यय का शेष भाग 163093.40 करोड़ रूपये अर्थात् 54.9 प्रतिशत अंश अन्तरण अदायगियां, वित्तीय निवेशों एवं ऋणों के रूप में शेष अर्थव्यवस्था को प्रदान करने के लिए अनुमानित है।

वर्ष 2016–17 में राज्य सरकार द्वारा प्रत्यक्ष रूप से शुद्व पूंजी निर्माण की धनराशि 55285.29 करोड़ रूपये आंकी गई है जो अन्तिम परिव्यय 133776.50 करोड़ रूपये का 41.3 प्रतिशत है। उक्त के अतिरिक्त राज्य की शेष अर्थ व्यवस्था में शुद्व पूंजी निर्माण के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से पूंजी निर्माण के लिये अनुदान 4859.76 करोड़ रूपये, पूंजी निर्माण के लिये ऋण 4251.49 करोड़ रूपये तथा निवेश 12109.29 करोड़ रूपये का प्राविधान है। इस प्रकार शुद्व पूंजी निर्माण 76505.83 करोड़ रूपये आंकलित है जो कि कुल व्यय का 25.8 प्रतिशत है। वर्ष 2014–15 में वास्तविक कुल व्यय 208063.81

करोड़ रूपये में शुद्ध पूंजी निर्माण हेतु 52808.67 करोड़ रूपये व्यय किये गये जो कि 25.4 प्रतिशत रहे।

राज्य सरकार के आय–व्ययक के आर्थिक वर्गीकरण को 5 मदों में बांटा गया है जिनका प्रतिशत वितरण निम्न सारिणी में दर्शाया गया है

(प्रतिशत व्यय)

मद / वर्ष	वास्तविक (2014–15)	पुनरीक्षित अनुमान (2015–16)	आय–व्ययक अनुमान (2016–17)
1. खपत सम्बन्धी शुद्ध व्यय	27.0	23.0	25.5
2. अन्तरण एवं अदायगियां	50.6	51.5	52.1
3. पूंजी निर्माण	16.2	14.7	16.4
4. पूंजी शेयरों में निवेश	5.3	7.5	3.9
5. ऋण एवं अग्रिम	0.9	3.3	2.1

राज्य सरकार के आय–व्ययक के कार्य सम्बन्धी वर्गीकरण को 8 मदों में प्रतिशत व्यय के रूप में दर्शाया गया है, जो निम्न प्रकार है

(प्रतिशत व्यय)

मद / वर्ष	वास्तविक (2014–15)	पुनरीक्षित अनुमान (2015–16)	आय–व्ययक अनुमान (2016–17)
1. सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण	7.4	7.8	7.5
2. स्वास्थ्य	6.0	6.2	6.9
3. शिक्षा	15.3	15.1	16.0
4. सामान्य सेवाएं	20.8	17.4	19.6
5. आर्थिक सेवाएं	30.9	34.1	29.2
6. अन्य सेवाएं	12.6	13.8	13.5
7. सांस्कृतिक एवं धार्मिक सेवाएं	0.4	0.8	0.4
8. आवास एवं सामुदायिक सेवाएं	6.6	4.8	6.9

जिला घरेलू निवल उत्पाद

जिला आय अनुमान हेतु आधार वर्ष को राज्य आय अनुमान की ही भांति वर्ष 2011–12 पर परिवर्तित कर वर्ष 2011–12 से वर्ष 2014–15 तक के अनुमान तैयार किये गये–

वर्ष 2011–12

क्रम संख्या	उच्चतम (रू0)		न्यूनतम (रू0)	
	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)
1	2	3	4	5
1.	गौतमबुद्ध नगर	248919	प्रतापगढ़	15524
2.	मेरठ	59300	बहराइच	16993
3.	लखनऊ	54682	संत कबीर नगर	17159
4.	आगरा	47559	सिद्धार्थ नगर	17578
5.	अमरोहा	46716	श्रावस्ती	18143

उ0प्र0 की वर्ष 2011–12 की प्रति व्यक्ति आय रू0 32002 आंकलित की गयी।

वर्ष 2012–13

क्रम संख्या	उच्चतम (रू0)		न्यूनतम (रू0)	
	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)
1	2	3	4	5
1.	गौतमबुद्ध नगर	275563	बहराइच	17580
2.	मेरठ	67507	प्रतापगढ़	17787
3.	लखनऊ	61295	संत कबीर नगर	19001
4.	हापुड़	54314	सिद्धार्थ नगर	19879
5.	आगरा	53569	देवरिया	20003

उ0प्र0 की वर्ष 2012–13 की प्रति व्यक्ति आय रू0 35837 आंकलित की गयी।

वर्ष 2013–14

क्रम संख्या	उच्चतम (रू0)		न्यूनतम (रू0)	
	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)
1	2	3	4	5
1.	गौतमबुद्ध नगर	342473	बहराइच	19800
2.	मेरठ	75276	प्रतापगढ़	20402
3.	आगरा	73557	संत कबीर नगर	20850
4.	लखनऊ	64395	बलरामपुर	21206
5.	बरेली	62808	आजमगढ़	22279

उ0प्र0 की वर्ष 2013–14 की प्रति व्यक्ति आय रू0 40306 आंकलित की गयी।

वर्ष 2014–15

क्रम संख्या	उच्चतम (रू0)		न्यूनतम (रू0)	
	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)	जनपद का नाम	प्रति व्यक्ति निवल उत्पाद (रू0)
1	2	3	4	5
1.	गौतमबुद्ध नगर	376782	संत कबीर नगर	21269
2.	आगरा	85496	बलरामपुर	21415
3.	मेरठ	85421	बहराइच	21825
4.	हापुड़	73523	प्रतापगढ़	22124
5.	लखनऊ	65450	सिद्धार्थ नगर	23375

उ0प्र0 की वर्ष 2014–15 की प्रति व्यक्ति आय रू0 43861 आंकलित की गयी।

राज्य आय अनुमान–:

Third Quarter Estimates of State Income(Q3) (Oct. 2016-Dec. 2016)		
Sl.No.	**Indicators**	GSDP
1-	**Growth Rate (At Constant (2011-12) Prices)**	
(a)	Primary Sector	3.0
(b)	Secondary Sector	6.2
(c)	Tertiary Sector	8.0
(d)	**GSDP**	**6.9**

4–राष्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण–:

उत्तर प्रदेश में पेयजल,स्वच्छता,स्वास्थ्य परिचर्या एवं आवासीय स्थिति
(जुलाई–दिसम्बर 2012)
राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण
69वीं आवृत्ति अनुसूची 1.2 पर आधारित

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के अन्तर्गत आवासीय स्थिति एवं अन्य सुख–सुविधाओं पर आधारित सर्वेक्षण, सम्बन्धित क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों के जीवन स्तर से सम्बन्धित अनेक उपयोगी संकेतांक प्रदान करते हैं। रा.प्र.स. के राज्य प्रतिदर्श की 69वीं आवृत्ति की अनुसूची 1.2 **''पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य परिचर्या एवं आवासीय स्थिति''** में एकत्रित आँकड़ों का परिनिरीक्षण, संकलन, सारणीयन व उनका विश्लेषण करके रिपोर्ट तैयार की गई। उ0प्र0 में राज्य प्रतिदर्श के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में 616 तथा नगरीय क्षेत्र में 367 प्रथम चरण इकाईयों का सर्वेक्षण किया गया। ग्रामीण क्षेत्र में 7367 तथा नगरीय में 4200 परिवारों से अनुसूची 1.2 पर सूचना संग्रहीत की गई। उक्त सर्वेक्षण जुलाई–दिसम्बर, 2012 में सम्पन्न हुआ था। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं:–

➢ **पेयजल की सुविधा**

राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 79.5 प्रतिशत परिवारों द्वारा ट्यूबवेल/बोरवेल का तथा 8.1 प्रतिशत परिवारों द्वारा सार्वजनिक नल/स्थायी नल (स्टैण्ड पाइप) का उपयोग पेयजल के मुख्य स्रोत के रूप में किया गया। नगरीय क्षेत्र में 44.3 प्रतिशत परिवार ट्यूबवेल/बोरवेल में नल के पानी को पेयजल के मुख्य स्रोत रूप में उपयोग किया गया जबकि 34 प्रतिशत परिवार आवास में पाईप जल को पेयजल के मुख्य स्रोत के रूप में उपयोग करते पाये गये।

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 95.8 प्रतिशत परिवारों एवं नगरीय क्षेत्र में 98.4 प्रतिशत परिवारों के पास पर्याप्त पेयजल था।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 36.1 प्रतिशत परिवार एवं नगरीय क्षेत्र के 62.5 प्रतिशत परिवारों को आवास परिसर में ही पेयजल प्राप्त हुआ।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 71.3 प्रतिशत महिलाओं एवं 25.5 प्रतिशत पुरूषों द्वारा आवास परिसर से बाहर जाकर पेयजल लाने का कार्य किया गया। जबकि नगरीय क्षेत्र में 62.0 प्रतिशत महिलाओं तथा 25.9 प्रतिशत पुरूष सदस्यों द्वारा परिसर से बाहर जाकर पेयजल लाने का कार्य किया गया।
- राज्य के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा आवास परिसर से बाहर जाकर पेयजल लाने में एक दिन में लगा औसतन समय क्रमशः 21 मिनट तथा 15 मिनट था।
- राज्य के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में आवास परिसर से बाहर जाकर पेयजल लाने में एक व्यक्ति द्वारा पेयजल स्रोत पर इंतजार करने में लगा औसतन समय क्रमशः 12 मिनट तथा 10 मिनट था।
- राज्य के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः सर्वाधिक 48.7 तथा 65.6 प्रतिशत परिवारों द्वारा पेयजल के मुख्य स्रोत का परिवार हेतु उपयोग किया गया।
- राज्य के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 35.3 प्रतिशत तथा 40.1 प्रतिशत परिवारों द्वारा पेयजल को एकत्र करने हेतु स्टेनलेस स्टील के बर्तन का प्रयोग किया गया। नगरीय क्षेत्र के 24.0 प्रतिशत

परिवारों द्वारा पेयजल को निकालने हेतु 'बिना हैण्डल' के बर्तन का प्रयोग किया गया, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के लिये यह 42.0 प्रतिशत पाया गया।

- **शौचालय एवं स्वच्छता सुविधाएं**
  राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 70.6 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र के 19.8 प्रतिशत परिवारो के पास स्नानागार की सुविधा नहीं थी। ग्रामीण क्षेत्र के 14.9 प्रतिशत परिवारों, जबकि नगरीय क्षेत्र के 56.0 प्रतिशत परिवारों के पास आवास में ही संलग्न स्नानागार था।
- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 74.8 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र के 11.6 प्रतिशत परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं थी। जबकि ग्रामीण क्षेत्र के 21.3 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र के 73.5 प्रतिशत परिवारों के पास 'एकमात्र परिवार के उपयोग हेतु' शौचालय सुविधा उपलब्ध थी।

- **घरेलू उपयोग हेतु विद्युत का उपयोग**
  राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में 47.6 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र में 91.8 प्रतिशत परिवारों के पास घरेलू उपयोग हेतु विद्युत सुविधा थी। जबकि 10.3 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों एवं 31.5 प्रतिशत नगरीय परिवार वाहक नलिका विद्युत वायरिंग का उपयोग करते पाये गये।

- **पारिवारिक विशिष्टताएं एवं सूक्ष्म–वातावरण**

- **पारिवारिक विशिष्टताएं**
  ग्रामीण क्षेत्र के 62.5 प्रतिशत एवं नगरीय क्षेत्र के 91.2 प्रतिशत परिवार पक्की संरचना वाले घरों में निवास करते पाये गये, जबकि ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 19.7 प्रतिशत तथा 6.0 प्रतिशत परिवार अर्द्ध–पक्की संरचना वाले आवासों में निवास करते पाये गये। राज्य के 17.8 प्रतिशत परिवार ग्रामीण क्षेत्र में तथा 2.7 प्रतिशत परिवार नगरीय क्षेत्र में कच्चे आवास में निवास करते पाये गये।
- ग्रामीण क्षेत्र में 31.6 प्रतिशत परिवार तथा नगरीय क्षेत्र में 29.4 प्रतिशत परिवार 0.3 मीटर से कम कुर्सी स्तर वाले आवासों में निवास करते पाये गये। ग्रामीण क्षेत्र में औसत कुर्सी स्तर 0.33 मीटर तथा नगरीय क्षेत्र में यह 0.36 मीटर था।
- ग्रामीण क्षेत्र के 94.0 प्रतिशत परिवार जो घर में रहते थे, उन्होंने घर को केवल आवासीय उद्देश्य के लिये प्रयोग किया। नगरीय क्षेत्र में उक्त प्रतिशत 91.2 था।
- राज्य के 96.0 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों एवं 80.2 प्रतिशत नगरीय परिवारों के पास 'स्वतंत्र आवास' था। जबकि फ्लैट में रहने वाले परिवारों का अनुपात नगरीय क्षेत्रों में 13.4 प्रतिशत था, किन्तु ग्रामीण क्षेत्र में मात्र 1.3 प्रतिशत था।
- राज्य में 25.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आवासीय इकाई की औसत आयु 10–20 वर्ष की थी, व 24.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आवासीय इकाई की औसत आयु 20–40 वर्ष की थी। नगरीय क्षेत्र के परिवारों में यह अनुमान क्रमशः 23.3 प्रतिशत तथा 31.4 प्रतिशत था।
- राज्य में 81.1 प्रतिशत ग्रामीण परिवार तथा 91.5 प्रतिशत नगरीय परिवार 'अच्छी' या 'संतोषजनक' अवस्था के घरों में रहते थे।
- आवास का औसतन फर्श क्षेत्रफल ग्रामीण क्षेत्र में 52.9 वर्ग मीटर एवं नगरीय क्षेत्र में 49.7 वर्ग मीटर था।
- विवाहित परिवारों में ग्रामीण क्षेत्र में 71.2 प्रतिशत एवं नगरीय क्षेत्र में 76.2 प्रतिशत विवाहित जोड़ियों के लिए अलग कमरा था।
- भाड़े के आवास में रहने वाले परिवार के द्वारा दिया गया औसत मासिक भाड़ा ग्रामीण क्षेत्र में रू.

778 एवं नगरीय क्षेत्र में रू. 2176 था।

- **सूक्ष्म वातावरण**
राज्य के 24.2 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र के परिवार एवं 5.4 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र के परिवारों के पास कोई जल–निकासी व्यवस्था नहीं थी।
- राज्य के 4.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों एवं 21.2 प्रतिशत नगरीय परिवारों के पास 'भूमिगत' जल निकासी व्यवस्था थी।
- ग्रामीण क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 46.0 प्रतिशत एवं 79.5 प्रतिशत परिवारों में कूड़ा निपटाने की कुछ व्यवस्था थी।
- राज्य के 69.0 प्रतिशत परिवारों द्वारा पिछले 365 दिनों के दौरान मच्छर/मक्खियों की 'गम्भीर' कठिनाईयों का समाना करना सूचित किया गया। उक्त प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 68.4 तथा 71.6 रहा।
- राज्य के 44.0 प्रतिशत परिवारों द्वारा पिछले 30 दिनों के दौरान 'मलेरिया के अतिरिक्त किसी अन्य ज्वर रोग' से पीड़ित होना सूचित किया गया। उक्त प्रतिशत ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 45.9 तथा 37.0 पाया गया। पिछले 30 दिनों के दौरान राज्य के 26.3 प्रतिशत परिवारों द्वारा 'पेट की समस्या' से अपने किसी सदस्य के पीड़ित होना सूचित किया गया। उक्त प्रतिशत ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 27.2 तथा 22.9 पाया गया।

5–संगणक

स्थानीय निकाय के आय–व्यय का लेखा तैयार करने सम्बंधी डेटा इन्ट्री साफ्टवेयर विकसित किया गया।

Regional level Workshop on Finalization of State Programmes under SSS scheme

With the objective to relook the Draft State Programmes under ***'Support for Statistical Strengthening'(SSS)*** scheme of the 19 willing States/UT as per new guidelines and to address new data needs, the Ministry of Statistics & Programme Implementation (MOSPI) decided to envisage regional level workshops in order to facilitate finalization of State Programmes of the new States. For the purpose Uttar Pradesh was chosen as the center for the workshop for Northern/Central region, so that adjacent /nearby states could participate. In pursuance of the directions of the Ministry the workshop scheduled on 24th-25th April, 2017 was organized by the Directorate of Economics & Statistics, Uttar Pradesh. The nine participating states were Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Punjab, Uttarakhand, Harayana, Delhi, Madhya Pradesh, Chattisgarh and Maharashtra. The workshop was inaugurated by Mr. Subrata Dhar, Addl. Director General, MOSPI and chaired by Principal Secretary, Planning .The inaugural ceremony commenced by address to the participants to make them aware about the significance of the event. In course of the workshop the states shared their experiences/ideas about the various statistical activities included under the scheme and comprehensive discussions took place to enable the states to finalize their State Programmes. Finally the workshop was concluded by a vote of thanks to all for being part of the event and especially to DES for providing all kind of facilities to conduct the workshop

Training/Seminar

- **मानव विकास एवं जेण्डर इशूज'' विषयक प्रशिक्षण–**
  अवधि– दिनांक 25–27 अप्रैल, 2017
  प्रतिभागी– श्री सुनील कुमार, अपर सा0 अधिकारी, श्रीमती सुषमा वर्मा, अपर सा0 अधिकारी, श्री जगदीश प्रसाद शुक्ल, अपर सा0 अधिकारी तथा श्रीमती चेतना जायसवाल गुप्ता ,अपर सा0 अधिकारी
- **''ग्रामीण विकास परियोजनाओं का नियोजन एवं कार्यान्वयन'' विषयक प्रशिक्षण–**
  अवधि– दिनांक 01–05 मई, 2017
  प्रतिभागी–श्री अजय कुमार यादव, अर्थ एवं संख्याधिकारी, श्री नीरज श्रीवास्तव, अर्थ एवं संख्याधिकारी, डा0(श्रीमती) अर्चना रानी श्रीवास्तव, अपर सा0 अधिकारी तथा डा0 ललिता पाण्डेय ,अपर सा0 अधिकारी
- **Demography and Population Studies विषयक प्रशिक्षण–**
  अवधि– दिनांक 12–16 जून, 2017
  प्रतिभागी–श्री अशोक कुमार पंवार, अपर निदेशक तथा डा0 हरेन्द्र, अर्थ एवं संख्याधिकारी।

✓ Personnel

नियुक्तिः–

- 06 मृतक आश्रितों को कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति आदेश आदेश निर्गत किये गये।
- 01 मृतक आश्रित को चपरासी के पद पर नियुक्ति आदेश निर्गत किये गये।

स्थानान्तरणः–

प्रभाग में 174 स्थानान्तरित कार्मिकों की पदवार स्थिति निम्न प्रकार हैः–

- 72 अपर सांख्यिकीय अधिकारी
  - 29 सहायक सांख्यिकीय अधिकारी
  - 02 वरिष्ठ कलाकार
  - 03 आशुलिपिक
  - 19 वरिष्ठ सहायक
  - 15 कनिष्ठ सहायक
  - 08 चालक
  - 26 चपरासी

सेवानिवृत्तिः–

प्रभाग में 18 सेवानिवृत्त कार्मिकों की स्थिति निम्न प्रकार हैः–

03 अर्थ एवं संख्याधिकारी

- श्री रामचन्द्र गुप्ता, जनपद इटावा
- दिनांक 30.4.2017
- श्री रमेश कुमार मिश्रा, जनपद सोनभद्र दिनांक 31.5.2017
- श्री दिल्लीपति, जनपद चित्रकूट दिनांक 30.06.2017

08 अपर सांख्यिकीय अधिकारी

- श्री श्याम सुन्दर, जनपद फर्रूखाबाद, दिनांक 30.04.2017
- श्री रामनरेश विद्यार्थी, जनपद रायबरेली, दिनांक 31.05.2017
- श्री रमाशंकर तिवारी, जनपद प्रतापगढ़, दिनांक 31.5.2017
- श्री कृष्ण कुमार, खण्ड विकास अधिकारी, दिनांक 30.06.2017
- श्री पूरन चन्द्र अरूण, जनपद कानपुर देहात, दिनांक 30.06.2017
- श्री नरेश चन्द्र दुबे, जनपद कानपुर देहात, दिनांक 30.06.2017
- श्री कैलाश पाल, मुख्यालय दिनांक 30.06.20017

01 सहायक सांख्यिकीय अधिकारी

- श्री जावेद अख्तर, जनपद गोरखपुर दिनांक 31.05.20107

02 मुख्य कलाकार

- श्री रामलगन, दिनांक 31.05.2017
- श्री चन्द्रभान कुलश्रेष्ठ, दिनांक 30.06.2017

03 चालक

- श्री जवाहर लाल, जनपद सन्त कबीरनगर, दिनांक 30.04.2017
- श्री लालाराम, मण्डल कार्यालय झांसी, दिनांक 30.04.2017
- श्री इन्द्रपाल, जनपद मु0नगर, दिनांक 30.06.2017

01 चपरासी

- श्री रामसेवक, जनपद फतेहपुर दिनांक 30.06.2017

✓ ***Current Statistics***

Comparative Statistics of UP and India at a Glance (April 2017-June 2017)					
Sl.No.	**Indicators**	2015-16		2016-17	
		UP(QE)	INDIA	UP(AE)	INDIA(PE)
1-	**GrowthRate GSVA/GVA(At Constant Prices)**				
(a)	Primary Sector	5.3	2.2	5.3	4.4
(b)	Secondary Sector	8	8.6	5.1	6
(c)	Tertiary Sector	7.3	9.7	7.9	7.7
(d)	GSDP/GDP	7.3	8	7.4	7.1
2-	**Sectoral Composition of GSVA/GVA(At current Prices)**				
(a)	Primary Sector	26.5	19.8	27.4	19.6
(b)	Secondary Sector	25.9	27.2	25.3	26.6
(c)	Tertiary Sector	47.6	53.0	47.2	53.8
3-	**GSDP/GDP(At current prices) (in Cr. Rs.)**	1042882	13682035	1144494	15183709
4-	**Per Capita Income (At Current Prices) (in Rs.)**	47496	94130	53477	103219
QE-Quick Estimates, AE-Advance Estimates, PE-Provisional Estimates					

PRICE INDICES					
5	**Agriculture Parity Index (Base Year 2004-05)**	2014-15**(F)**	107.62	2015-16**(P)**	112.85
6	**Wholesale Price Index**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	207.05	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	138.07
7	**Consumer Price Index - Urban**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	229.64	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	145.35
8	**Consumer Price Index - Rural**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	248.5	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	140.01
9	**Urban Wage Index for Mason**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	322.19	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	157.99
10	**Urban Wage Index for Carpenter**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	314.16	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	158.38
11	**Urban Wage Index for Unskilled Labour**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	387.76	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	167.45
12	**Rural Wage Index for Mason**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	322.01	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	161.16
13	**Rural Wage Index for Carpenter**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	315.6	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	164.16
14	**Rural Wage Index forAgriculture Labour Labour**	Jan-Mar 2016 (base year 2004-05)	352.28	Jan-Mar 2017 (base year 2011-12)	168.38

***F-Final, P-Provisional**

INDEX OF INDUSTRIAL PRODUCTION

SI. NO.	INDICATORS	PERIOD	INDEX	PERIOD	Index	PERIOD	Index
1	Index Of Industrial Production:Annual (base year2004-05)	Revised 2014-15	187.95	2015-16	186.25	-	-
2	Index Of Industrial Production:Monthly (base year(2004-05)	Jan'16F)	206.68	Jan'17P)	220.68	-	-
3	Index Of Industrial Production:Monthly (base year(2004-05)	Feb'16(F)	213.00	Feb'17(P)	198.68	-	-
4	Index Of Industrial Production:Monthly (base year(2004-05)	Mar'16(F)	220.33	Mar'17(P)	220.29	-	-
5	Index Of Industrial Production:Monthly (base year(2004-05)	April'16(F)	188.85	April'17(Q)	206.73	-	-
6	Agriculture Volume Index (base year(2004-05)	2013-14(F)	122.03	2014-15(P)	117.30	2015-16(Q)	121.40
7	Agriculture Value Index (base year(2004-05)	2013-14(F)	246.75	2014-15(P)	241.12	2015-16(Q)	261.43
Q-Quick Estimates, P-Provisional Estimates							

PHOTO SECTION

SSS Workshop on 24-25th April 2017

SSS Workshop on 24-25th April 2017

Celebration of 11th Statistical Day at headquarter

Celebration of 11th Statistical Day at headquarter

✓ Statistics/Reports/Publications On The Departmental Website

http://updes.up.nic.in/

Publications

- सख्यिकीय डायरी 2015 (हिन्दी/अंग्रेजी)
- उत्तर प्रदेश एक झलक 2015 (हिन्दी/अंग्रेजी)
- जिलेवार विकास संकेतक 2016
- सांख्यिकीय सारांश 2016
- अन्तर्राज्यीय तुलनात्मक आँकड़े 2014
- अन्तर्जनपदीय तुलनात्मक आँकड़े 2015
- उत्तर प्रदेश के आय–व्ययक का आर्थिक एवं कार्य सम्बन्धी वर्गीकरण 2015–16
- उत्तर प्रदेश की आर्थिक समीक्षा 2014–15
- उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकायों के आय–व्यय, पूँजी व्यय, स्वच्छता सेवा एवं रोजगार सम्बन्धी आँकड़े 2014–15
- राज्य आय अनुमान 2004–05 से 2012–13
- वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2007–08
- वार्षिक प्रतिवेदन 2015–16
- भवन निर्माण सम्बन्धी आवश्यक वस्तुओं के फुटकर भाव, मजदूरी की दरें तथा लागत सूचकांक 2015–16
- आर्थिक गणना 2012–13

Reports

- रा.प्र.स. 68वीं आवृत्ति की रिपोर्ट्स
- Report on Pooling of Central and State sample data Of NSS 68th Round
- Report on Unicorporated Non-Agricultural Enterprises (Excluding Construction) in Uttar Pradesh
- State Millenium Development Goal Report

Statistics

- कृषि उत्पादन सूचकांक 2016
- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक माह फरवरी 2017
- थोक भाव सूचकांक अप्रैल 2017
- ग्रामीण उपभोक्ता भाव सूचकांक मई 2017
- नगरीय उपभोक्ता भाव सूचकांक मई 2017
- उत्तर प्रदेश का कृषि क्रय–विक्रय समता सूचकांक 2015–16
- उत्तर प्रदेश का ग्रामीण एवं नगरीय मजदूरी दर सूचकांक मई 2017
- राज्य घेरलू उत्पाद 2014–15
- जिला घरेलू उत्पाद 2014–15
- स्थानीय निकाय बजट वर्गीकरण 2014–15
- GSDP/NSDP के त्रैमासिक अनुमान 2015–16
- GSDP/NSDP के संशोधित अग्रिम अनुमान 2015–16
- राज्य आय के अग्रिम अनुमान 2016–17

DIRECTORATE OF ECONOMICS AND STATISTICS,
ARTH EVAM SANKHYA BHAWAN,
9, SAROJINI NAIDU MARG,
(Post Box no.:-113)
LUCKNOW-226001
http://updes.up.nic.in
Phone: 0522- 2238969, Fax: 0522-2238965
Email-id:-upesd@up.nic.in ;
coordesd@up.nic.in